

>

Title: The Speaker made reference on the International Women's Day.

MADAM SPEAKER: Hon. Members, today is the International Women's Day, that is observed the world over to mark the social, economic and political achievements of women.

The day offers an opportunity to us for introspection. How far have we been successful in our endeavours to provide women with equal rights and opportunities in various walks of life? Unfortunately, we do find in our society a paradoxical situation. On the one hand we take immense pride in the phenomenal progress made by women in all walks of life. On the other, there is the anguishing stigma of female foeticide, honour killing, dowry deaths and crime against women. We, therefore, need to re-dedicate ourselves to the cause of upholding the rights and dignity of women.

Though a paradigm and attitudinal shift is perceptible in the vision of the society about women's equality and emancipation, it is imperative for us to prioritize women's empowerment as an intrinsic part of our development agenda and policy.

The theme for International Women's Day, 2011 is, " *Equal access to education, training and science and technology: Pathway to decent work for women*". This theme finds resonance in our on-going efforts towards empowerment of Indian women.

Let us on this occasion rededicate ourselves collectively to strive towards making the long cherished goal of women empowerment a living reality.

—
ॐॐ!(व्यवधान)

श्री शैलेन्द्र कुमार (कौशांबी): अध्यक्ष महोदया, उत्तर प्रदेश में महिलाओं पर अत्याचार बढ़ा है... (व्यवधान)

DR. M. THAMBIDURAI (KARUR): Madam, Qn. No. 161. Public Distribution System ... (Interruptions)

श्री शैलेन्द्र कुमार : वहां बलात्कार हो रहे हैं, हत्याएं हो रही हैं... (व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव (मैनपुरी): अध्यक्ष महोदया, आप पहले मेरी बात सुन लीजिए... (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइए, ज़ीरो आवर में हम आपकी बात सुनेंगे।

ॐॐ!(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : मुलायम सिंह जी, हम आपकी बात शून्य प्रहर में सुन लेंगे।

ॐॐ!(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : हम आपके निर्देश का पूरा पालन करेंगे... (व्यवधान)

श्री शैलेन्द्र कुमार : अध्यक्ष महोदया, दो मिनट बात सुन ली जाए।

ॐॐ!(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अभी पूंन काल चलने दीजिए। पूंन काल कल भी नहीं चल पाया, आज चलने दीजिए।

ॐॐ!(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : मेरा अनुरोध है कि आप आज पूंन काल चलने दीजिए।

ॐॐ!(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : हम शून्य प्रहर में आपकी बात अवश्य सुनेंगे।

ॐॐ!(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : एक मिनट हमारी बात सुन लीजिए... (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : क्या आप एक मिनट के बाद पूंन काल चलाएंगे, पूंन काल को भंग नहीं करेंगे, किसी तरह का व्यवधान नहीं डालेंगे?

ॐॐ!(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : मुलायम सिंह जी, आप एक मिनट में अपनी बात कहिए।

वै. (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अब आप लोग शान्त हो जाइए।

वै. (व्यवधान)